पाठ 2. शेर और लड़का

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को यह समझाना है कि यदि उनसे कोई गलती या भूल हो जाए तो उन्हें अपने से बड़ों को इसके बारे में बताना चाहिए न कि स्वयं ही उसका सुधार करने निकल पड़ना चाहिए। इससे वे किसी बड़ी मुसीबत में भी फँस सकते हैं।

पाठ का सारांश

एक चरवाहे का लड़का गाय-बैलों को चराने के लिए जंगल में लेकर जाता है। परंतु शाम को लौटते समय वह देखता है कि उसकी एक गाय कहीं गुम हो गई है। वह बाकी जानवरों को बाड़े में बाँधकर गाय को ढूँढ़ने के लिए जंगल में चला जाता है। रात बिताने के लिए वह जंगल में एक पेड़ पर चढ़कर सो जाता है। अचानक पेड़ के हिलने से उसकी आँख खुली तो उसने देखा कि पेड़ के नीचे एक शेर खड़ा था जो उसे खाने की कोशिश में था। तीन दिन तक लड़का पेड़ पर बैठा रहा और शेर पेड़ के नीचे। लड़के को अपनी जान बचाना मुश्किल जान पड़ा। तीसरे दिन लड़के को झरने के पास चार आदमी नज़र आए। उसने अपनी बुद्धि का इस्तेमाल किया और उन लोगों को आवाज़ देकर अपनी सहायता के लिए बुलाया। साथ ही, उन्हें शेर के बैठे होने की सूचना भी दी। लोगों ने वहाँ पहुँचकर हवा में गोलियाँ दागीं जिससे शेर भाग निकला और लड़का पेड़ से नीचे उतर आया। उसने देखा सामने उसके मालिक खड़े थे। मालिक ने बताया कि गाय तो उसी दिन लौट आई थी। आखिर उसने अपनी हिम्मत, धैर्य और साहस से खुद को शेर से सुरक्षित बचा ही लिया।

अध्यापन संकेत

पाठ वाचन करें, बच्चों से भी पाठ का एक-एक अंश पढ़वाएँ। कठिन शब्दों को उच्चारण के साथ श्यामपट्ट पर लिखते जाएँ तथा उनके अर्थ बताएँ। बच्चों का पाठ की ओर ध्यान सुनिश्चित करने के लिए बीच-बीच में प्रश्न पूछते रहें। बच्चों से चर्चा करें।

- ❖ उन्हें समझाएँ कि मुसीबत में पड़ने पर कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए बल्कि साहस और समझदारी से मुसीबत का हल ढूँढ़ना चाहिए।
- ❖ बच्चों से पूछें कि जब उनसे कोई गलती हो जाती है तो वे घर पर मम्मी-पापा, दादा-दादी या भाई-बहन में से किसे बताते हैं।
- ❖ बच्चों को प्रतिदिन प्रयोग में आने वाली वस्तुओं के माध्यम से संज्ञा शब्दों के बारे में समझाएँ।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।